भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3675
उत्तर देने की तारीख-10/08/2026

एनआईटी श्रीनगर के प्रमुख पदों के प्रशासनिक कामकाज

†3675. **श्री मियां अल्ताफ अहमदः**
क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में कुलसचिव सहित प्रमुख पदों पर संकाय सदस्यों द्वारा 'इन-चार्ज' आधार पर कार्य करने तथा प्रशासनिक चुनौतियों से संबंधित रिपोर्टों का संज्ञान लिया है;
(ख) यदि हां, तो संस्थान में शैक्षणिक और वित्तीय निर्णय लेने में प्रशासनिक निरंतरता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने एनआईटी श्रीनगर के छात्रों और संकाय के शैक्षणिक निष्पादन और संस्थागत मनोबल पर वर्तमान नेतृत्व संरचना के प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग): राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान अधिनियम, 2007 तथा इस अधिनियम के तहत निर्मित संविधियों द्वारा अभिशासित एक 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' है। अधिनियम और संविधियां संस्थान के प्रशासनिक और शैक्षणिक मामलों का प्रबंधन करने और उसमें अनुदेश देने तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्राधिकरणों को परिभाषित करते हैं।

एनआईटी की संविधियों के प्रावधानों के अनुरूप, शासी बोर्ड अर्थात एनआईटी, श्रीनगर के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय ने संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों में से एक को रजिस्ट्रार के कार्यों का दायित्व सौंपा है। हाल ही में, मंत्रालय ने एनआईटी के माननीय विजिटर के अनुमोदन के

साथ, एनआईटीएसईआर अधिनियम, 2007 की धारा 17 के अनुसार एनआईटी, श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में एक नियमित निदेशक की नियुक्ति की है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा सितंबर 2015 में शुरू किया गया राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), देश भर में उच्चतर शिक्षा संस्थानों के मूल्यांकन और रैंकिंग के लिए भारत की प्रमुख, अत्याधुनिक कार्य प्रणाली है। यह फ्रेमवर्क भारतीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की व्यापक विविधता को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा नीति-निर्माताओं को शैक्षिक गुणवत्ता के आकलन के लिए एक वस्तुनिष्ठ एवं आँकड़ा-आधारित मानदंड उपलब्ध कराता है। एनआईआरएफ प्रतिवर्ष पांच महत्वपूर्ण मापदंडों नामतः "शिक्षण, अधिगम और संसाधन," "अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास," "स्नातक परिणाम," "व्यापकता और समावेशिता," तथा "अवधारणा" के आधार पर 11 श्रेणियों में उच्चतर शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करता है और उन्हें रैंक प्रदान करता है।

जहाँ तक संस्थान के आकलन और शैक्षणिक प्रदर्शन का संबंध है, एनआईटी श्रीनगर ने एनआईआरएफ रैंकिंग में काफ़ी सुधार किया है, जो विगत तीन वर्षों में लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2023 में 82वें स्थान से, वर्ष 2024 में 79वें स्थान पर और वर्ष 2025 में 73वें स्थान पर पहुँच गया है। यह सकारात्मक रुझान संस्थान द्वारा अपने प्रमुख शैक्षिक मानकों के स्तरोन्नयन, अनुसंधान उपलब्धियों को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों के परिणामों में सुधार लाने पर किए गए सफल रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाता है।

*****